S-371

Total Pages : 3 Roll No. .....

DMA-102

ज्योतिषशास्त्र में रोग ज्ञान के आधार

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. आयु के प्रकारों पर चर्चा करते हुए आयु परीक्षण के सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए।

2. रोगनिर्धारण के नियमों पर अपने मन्तव्य स्पष्ट करते हुए रोगज्ञान के ज्योतिषीय सिद्धान्तों पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

3. जन्माङ्गचक्र के आधार पर रोगनिर्णय करते हुए दशा के माध्यम से रोगकाल का समयनिर्धारण पर प्रकाश डालिए।

4. अरिष्टयोगों पर चर्चा करते हुए उसके सम्भावित काल निर्धारण की विवेचना कीजिए।

5. रोगों के प्रकार बताते हुए सूर्यादि ग्रहों के रोगों पर विस्तृत विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. रोगविचार की परम्परा पर संक्षिप्त आलेख लिखिए।

2. अरिष्ट से क्या तात्पर्य है, स्पष्ट कीजिए।

3. मृत्युकाल निर्धारण पर ग्रन्थोक्त प्रकार से विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

4. रोग निर्धारण के प्रमुख तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

5. दिग्देश एवं काल के सापेक्ष रोग परिज्ञान पर संक्षेप में आलेख लिखिए।

6. शाकुन से रोग परिज्ञान की विधि पर चर्चा कीजिए।

7. स्वप्नों के द्वारा रोग का ज्ञान किस प्रकार सम्भव है? विवेचना कीजिए।

8. मृत्यु के प्रकार एवं काल विषय पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।